Dainik Jagran 16/10/14 P-13

कोल्हुओं पर लुट रहे गन्ना किसान

अवनीश त्यागी, लखनऊ

दशहरा पर्व पर गन्ना पूजन हो चुका है, लेकिन चीनी मिलों में एक माह से पूर्व पेराई शुरू होने के आसार नहीं दिख रहे हैं और कर्ज में फंसा किसान मजबूरन कोल्हू पर औने-पौने दामों में अपना गन्ना बेच रहा है। गत वर्ष 280 रुपये प्रति क्विंटल दर से बिकने वाला गन्ना अब 160-180 रुपये प्रति क्विंटल भाव में बिक रहा है। कोल्हुओं पर हो रही किसानों से इस लूट पर सरकार मौन साधे है।

कोल्हू पर सस्ते में गन्ना बेचने की वजह किसानों को पैसे की जरूरत होने के साथ पशुओं के लिए चारा उपलब्ध कराना भी है। इस वर्ष सूखा की मार से चारा संकट बना है और भूसा के दाम 800 रुपये तक पहुंच गए है। चीनी मिलें गन्ना खरीदने के लिए तैयार नहीं है, तो किसान मजबूरन कोल्हू संचालकों के हाथों लुट रहा है। कोल्हुओं के मालिक दोहरे लाभ में हैं। किसानों का गन्ना सस्ता खरीदने के अलावा बाजार में उनका उत्पादित गुड़ चीनी से महंगा बिक रहा है।

दिसंबर से पहले निजी मिलें चलने के आसार नहीं : गन्ना आयुक्त का 15 नवंबर तक पेराई शुरू करने का आदेश निजी मिल संचालक मानने को राजी नहीं हैं। वह रंगराजन समिति की संस्तुति के आधार पर गन्ना मूल्य घोषित करने की मांग पर अड़े हैं। शुगर मिल एसोसिएशन 225 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक दाम देने को तैयार नहीं है। ऐसे में टकराव बढ़ता दिख रहा है। गुरुवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट में गन्ना मूल्य को लेकर सुनवाई भी होनी है। बता दें कि मिल संचालकों की जिद के चलते गत वर्ष भी गन्ना मूल्य में कोई वृद्धि नहीं हो पायी थी। गत दो सत्र का 2852.54 करोड़ रुपये गन्ना मूल्य अभी किसानों को नहीं मिल पाया। किसान नेता विनोद कलंजरी का कहना है कि उपज लागत बढ़ते जाने के कारण गन्ने की फसल किसानों के लिए बर्बादी का सबब बन चुकी है। सरकार किसानों की सुनवाई करने के बदले मिल मालिकों का बचाव करती दिख रही है।

◆ मिलें शुरू न होने से औने-पौने दामों में गन्ना बेचने की मजबूरी

चीनी मिलों पर बकाया रकम

वर्ष	धनराशि करोड़ रुपये
2012-13	19.90
2013-14	2832.64
कुल योग	2852.54

दस नवंबर से पहले शुरू नहीं हो सकेगी सहकारी मिलें : गन्ना एक्ट के अनुसार एक अक्टूबर से पेराई सत्र शुरू होना चाहिए, पर इस सत्र में भी दस नवंबर से पहले मिलें नहीं चलने की बाध्यता जता रहे निदेशक बीके यादव का कहना है कि गन्ने में शर्करा स्तर का सर्वे कराया जा रहा है। गुरुवार को प्रबंधकों की बैठक में पेराई आरंभ करने का फैसला होगा।